

## ऋतू की इच्छा

हेल्लो मेरा नाम राहुल है और उम्र २४ साल है। मैं करनाल (हरियाणा) में रहता हूँ।

आज मैं आपको मेरी सच्ची कहानी सुनाता हूँ।

वैसे मैं देखने में कोई खास नहीं हूँ, कद भी कम है पर मैं बातों से हमेशा ही सबको अपना बना लेता हूँ।

यह बात तबकी है जब मैं कंप्यूटर सीखता था, वहां पर एक लड़की आती थी २५-२६ साल की, उसका नाम ऋतू था, उसकी शादी हो चुकी थी। उसका फिगर कमाल का था, बड़े बड़े बूल्स और उसकी गांड तो बहुत ही सेक्सी लगती थी, थी भी वो काफी अमीर घर से, धीरे धीरे मैंने उस से बातें करना शुरू कर दिया। उसने मुझे बताया कि वो यहाँ सिर्फ अपना समय काटने आती है, घर में उसका मन नहीं लगता। उसके पति हमेशा काम में व्यस्त रहते थे ज्यादातर वो शहर से बाहर ही रहते थे।

एक दिन उसने कहा कि चलो कहीं काफ़ी पीते हैं तो मैंने कहा कि आज तो मैं आपके हाथ की काफ़ी पीना चाहता हूँ। तो उसने कहा ठीक है फिर मेरे घर ही चलते हैं मेरे पति भी बाहर गए हैं। फिर हम दोनों उसकी कार में उस के घर चले गए, उनके नौकर ने दरवाजा खोला, हम दोनों अन्दर चले गए तो उसने अपने नौकर को जाने के लिए कह दिया फिर अपने नौकर के जाते ही उसने अपने घर का दरवाज़ा बंद कर दिया। उसके बाद वो कहने लगी कि तुमने काफ़ी पीनी थी, मैं बना के लाती हूँ। फिर थोड़ी ही देर में वो २ काफ़ी बना के ले आई। हम दोनों काफ़ी पीने लगे और इधर उधर की बातें करने लगे। मैंने उससे ऐसे ही पूछ लिया कि आपके पति आपको भी समय देते हैं या फिर सिर्फ बिज़नस को ही? तो वो उदास हो गई और कहने लगी कि उनके पास समय होता ही नहीं उसके लिए ! वो तो सिर्फ और सिर्फ बिज़नस को ही समय देते हैं ! फिर अचानक मेरे मुंह से निकल गया कि फिर तो आप दोनों...! इतना कहते ही मैं

रुक गया। तो वो कहने लगी- आप दोनों क्या? बोलो ! मैंने कहा कुछ नहीं !

वो बोली कि तुम यही कहना चाहते हो ना कि हम सेक्स करते हैं या नहीं !

मैंने कहा हाँ मैं यही पूछना चाहता था। तो वो कहने लगी कि महीने में १ या २ बार सिर्फ ! कहने लगी पर मेरी इतनी इच्छा होती है कि बस पूछो मत ! यह कह कर वो चुप हो गई। फिर वो बोली कि तुम्हें एक बात कहूँ तो तुम बुरा तो नहीं मानोगे? ना ! मैंने कहा- नहीं बोलो ! वो कहने लगी कि अगर तुम मेरी इच्छा को पूरा कर दो मैं तुम्हें तुम जितना चाहोगे उतना पैसा दूंगी।

मैंने कहा कि यह तुम क्या कह रही हो? तो वो मेरे साथ आ कर बैठ गई उसने मेरा हाथ पकड़ लिया, कहने लगी- प्लीज़ राहुल मैं प्यार चाहती हूँ प्लीज़ ! उसने मेरा हाथ पकड़ लिया और मुझे अपने बेडरूम में ले गई वहां जाते ही हम दोनों ने किस करनी शुरू कर दी। फिर मैंने उसका कमीज़ निकाल दिया। उसके बूब्स चाँदी की तरह चमक रहे थे, उसने श्वेत ब्रा डाली हुई थी, फिर मैंने वो भी निकाल दी और उसे बेड पर लेटा दिया और उसके एक एक अंग को चूमने लगा- उसकी आंखों को, होठों पर, उसके कानों पर, गले पर। ऋतू के मुंह से सिसकी निकल रही थी सी इ इ ई इ ई ईई अह ह हह हह !

उसके बाद मैंने उसकी सलवार उतार दी और उसकी टांगों पर हाथ फेरने लगा। फिर मैंने उसकी टांगों पर ऊपर से नीचे तक किस किया और उसकी पैंटी पर हाथ फेरने लगा। ऋतू के मुंह से आवाजें आ रही थी अह ह ह ! उसकी पैंटी बिल्कुल गीली हो चुकी थी। फिर मैंने उसकी पैंटी भी उतार दी और उसकी चूत को किस करने लगा। वो एक दम मछली की तरह छटपटा रही थी। फिर मैंने भी अपनी पैंट उतार दी और मैंने उसको अपने ऊपर ६९ पोजिशन में ले लिया फिर वो मेरा लंड लोलीपोप की तरह चूसने लगी। फिर उसने कहा कि राहुल अब रहा नहीं जाता ! प्लीज़ डाल दो ! तो मैंने उसको सीधा लेटाया और अपना लंड उसकी चूत के मुंह पर रख कर धक्का मारा,

उसकी चूत काफी टाइट थी। उसको दर्द भी हो रहा था पर फिर मैंने एक जोर का धक्का मारा और मेरा लंड पूरा उसकी चूत में चला गया। उसके बाद वो भी चूतड उछाल उछाल के मेरा साथ दे रही थी। ५ मिनट के बाद वो झड़ गई फिर मैंने भी अपनी गति तेज कर दी और १०-१५ झटके मारने के बाद मैं भी झड़ गया। उसके बाद हम बहुत देर तक एक दूसरे के ऊपर लेटे रहे। उसके बाद मैंने उसकी गांड भी कोल्ड क्रीम लगा के मारी।

शाम के ७ बज चुके थे मैंने उसको कहा कि मैं चलता हूँ, तो उसने मुझे २००० रुपये दिए और कहा कि अगर तुम मेरी सहेलियों की भी इच्छा पूरी कर दो तो तुम्हें और भी पैसे मिल सकते हैं, बस अंधे को क्या चाहिए २ आँखें ! बस तब से मैं ऐसे ही इच्छा पूरी करने में लगा हूँ।

ऋतू की सहेलियों की इच्छा मैंने कैसे पूरी की यह मैं आपको तब बताऊंगा जब आप मुझे अपने विचार भेजेंगे !

[Sachonline4u@gmail.com](mailto:Sachonline4u@gmail.com)